धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलन

ब्रह्म समाज

- ब्रह्म समाज की स्थापना 20 अगस्त, 1828 में राजा राममोहन राय ने की थी।
- ब्रह्म समाज मूर्ति पूजा, तीर्थ यात्रा, कर्मकांड आदि का विरोधी था।
- राजा राममोहन राय ने 1815 ई. में आत्मीय सभा का गठन किया।
- वेदांत कॉलेज की स्थापना राममोहन राय ने 1825 ई. में की थी।
- राजा राममोहन राय को नवजागरण का अग्रदूत, सुधार आंदोलनों का प्रवर्तक, आधुनिक भारत का पिता एवं नव प्रभात का तारा कहा जाता है।
- राजा राममोहन राय ने डेविड हेयर के सहयोग से 1817 ई. में कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की थी।
- राजा राममोहन राय ने तुहफत-उल-मुवाहिदीन या ए गिफ्ट टू मोनोथिज्म या एकेश्वरवादियों को उपहार तथा प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस पुस्तकों की रचना की एवं संवाद कौमुदी, मिरात-उल-अखबार तथा अंग्रेजी में ब्राह्मनिकल मैगजीन का प्रकाशन किया।
- मुगल सम्राट अकबर द्वितीय ने राममोहन राय को राजा की पदवी प्रदान की।
- राजा राममोहन राय के पश्चात देवेंद्रनाथ टैगोर ने ब्रह्म समाज का नेतृत्व संभाला।
- देवेंद्र नाथ टैंगोर ने तत्वबोधिनी सभा की स्थापना की थी।
- इनके पश्चात केशवचंद्र सेन ने ब्रह्म समाज का नेतृत्व किया।
- केशवचंद्र सेन के उदारवाद के कारण ब्रह्म समाज में पहली फूट पड़ी क्योंकि ईसाई, मुस्लिम, पारसी और चीनी धर्म पुस्तकों का पाठ ब्रह्म समाज की सभाओं में किया जाने लगा।
- देवेंद्रनाथ टैगोर ने ब्रह्म समाज के न्यासी की हैसियत से 1865 ई. में केशवचंद्र सेन को आचार्य की पदवी से अपदस्थ कर दिया।
- केशवचंद्र सेन ने नवीन ब्रह्म समाज का गठन किया।
- शिवनाथ शास्त्री एवं आनंद मोहन बोस ने 1878 ई. में साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना की।

प्रार्थना समाज

- आत्माराम पांडुरंग ने 1867 ई. में बंबई में 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की।
- महादेव रानाडे को 'पश्चिमी भारत मे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अग्रदूत' कहा जाता हैं।
- रानाडे ने पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना 1870 ई. में की। इन्हें 'महाराष्ट्र का सुकरात' कहा जाता है।

Ranjeet Yadav Sir

- 31 दिसंबर, 1893 में को डी.के.कर्वे ने विधवा पुर्नविवाह ऐसोसिएशन बनाया।
- रानाडे ने 1884 ई. में 'डक्कन एजुकेशन सोसाइटी' की स्थापना की जो बाद मे पूना फर्ग्यूसन कॉलेज कहलाया।

सामाजिक सुधार

प्रतिबंध वर्ष	गर्वनर जनरल	विषय
शिशु वध (1798-1805 ई.)	वेलेजली	शिशु वध रोक
सती प्रथा (1829 ई.)	लॉर्ड विलियम बैंटिक	सती प्रथा पर रोक
दास प्रथा (1843 ई.)	एलन बरो	दास प्रथा पर रोक
विधवा पुनर्विवाह(1856ई.)	लॉर्ड कैनिगं	विधवा विवाह की अनुमति
नेटिव मैरिज एक्ट (1872 ई.)	नार्थब्रुक	अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहन
एज ऑफ कंसेट एक्ट	लैंसडाउन	लड़कियों के (1891ई.) विवाह की आयु 12 वर्ष निश्चित
शारदा एक्ट (1929 ई.)	इरविन	लड़कियों के विवाह की आयू 14 वर्ष निश्चित

वेद समाज

- के. श्री धरलु नायडू ने मद्रास में वेद समाज की स्थापना 1864 ई. में केशव चन्द्र सेन की प्रेरणा से किया।

आर्य समाज

- स्वामी दयानंद सरस्वती ने बंबई में 1875 ई. में आर्य समाज की स्थापना की।
- दयांनद सरस्वती ने 'वेदो की ओर लौटा' का नारा दिया।
- आर्य समाजियों ने छुआछूत, जाति-भेद, बाल-विवाह का विरोध किया तथा विधवा पुनर्विवाह तथा अंतरजातीय विवाह का समर्थन किया।
- स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा 'शुद्धि आंदोलन' चलाया गया, जिसके अंतर्गत हिंदू धर्म का परित्याग कर अन्य धर्म अपनाने वाले लोगों के लिए पुनः धर्म में वापसी के द्वारा खोल दिए गए।
- आर्य समाज ने गौ रक्षा आंदोलन तथा गौ रक्षिणी सभा की स्थापना की।
- स्वामी दंयानंद सरस्वती ऐसे प्रथम सुधारक थे, जिन्होंने शूद्र तथा स्त्री को वेद पढ़ने, ऊची शिक्षा प्राप्त करने, यज्ञोपवीत धारण करने के पक्ष में आंदोलन किया।
- स्वामी दयानंद सरस्वती के बचपन का नाम मूलशंकर था।

Ranjeet Yadav Sir

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख पुस्तकें

1. सत्यार्थ प्रकाश (1875ई.)
2. पंच महायज्ञ विधि (1874ई.)
3. पाखंड खंडन (1866 ई.)
4. अद्धैत मत का खंडन (1877ई.)

☞ दयानंद ने झूठे धर्मो का खंडन करने के उद्देश्य से 1867 ई. में 'पाखड खडिनी पताका' हरिद्वार के कुम्भ में लहराई।

☞ वेलेंटाइन शिरोल ने अपनी पुस्तक इंडियन अनरेस्ट में आर्य समाज को 'भारतीय अशांति का जन्मदाता' कहा।

☞ राजनीतिक क्षेत्र में आर्य समाजियों का मानना था कि 'बुरे से बुरा देशी राज्य अच्छे से अच्छे विदेशी राज्य में अच्छा' है।

☞ स्वराज शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग दयानंद ने किया था।

यंग बंगाल आंदोलन

☞ 1826 ई. में इस आंदोलन की शुरूआत हेनरी विवियन डेरेजियो द्वारा किया गया था।

☞ सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने डेरेजियों को बंगाल में आधुनिक सभ्यता का अग्रदूत, अपनी जाति के पिता के रूप में स्वीकार किया।

☞ डेरेजियो को आधुनिक भारत का 'प्रथम राष्ट्रकवि' भी कहा जाता है।

रामकृष्ण मिशन एवं स्वामी विवेकानंद

☞ स्वामी विवेकानंद दक्षिणेश्वर के स्वामी कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस के परम शिष्य थे।

☞ स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम नरेंद्रनाथ था।

☞ 1893 ई. में अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने भारत का नेतृत्व किया।

☞ इस सम्मेलन में जाने से पूर्व ही स्वामी विवेकानंद ने खेतड़ी महाराज के सुझाव पर अपना नाम 'नरेंद्रनाथ' से बदलकर स्वामी विवेकानंद रख लिया।

☞ 1896 ई. में स्वामी जी ने अमेरिका में वेदातं सभाओं की स्थापना की।

☞ 1897 ई. में स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

☞ रामकृष्ण मिशन का मुख्यालय कलकत्ता के वेलूर नामक स्थान पर खोला गया।

☞ सुभाषचन्द्र बोस ने स्वामी विवेकानंद को 'आधुनिक राष्ट्रीय आंदोलन का आध्यात्मिक पिता' कहा है।

Ranjeet Yadav Sir

थियोसोफिकल सोसाइटी

- मैडम ब्लावत्सकी तथा कर्नल आल्काट ने न्यूयॉर्क में 1875 ई. में थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना की।
- थियोसोफिकल सोसाइटी का अड्यार (मद्रास) में अंतरराष्ट्रीय कार्यलय 1882 ई. में खोला गया।
- श्रीमती एनी बेसेंट 1889 ई. में थियोसोफिकल सोसाइटी की सदस्या बनीं तथा 1893 ई. में भारत आई।
- आल्काट की मृत्यु के पश्चात् वर्ष 1907 में एनी बेसेंट इस सोसाइटी की अध्यक्ष बनी।
- भारत में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए एनी बेंसेंट ने बनारस में 1898 ई. में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की स्थापना की जो वर्ष 1916 में मदन मोहन मालवीय जी के प्रयासों से 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय' बना।

अन्य धार्मिक आंदोलन

- धर्म सभा की स्थापना 1830 ई. में राधाकांत देव ने की।
- लोकहितवादी के नाम से गोपाल हरि देशमुख प्रसिद्ध हुए।
- देव समाज की स्थापना 1887 ई. में शिवनाराण अग्निहोत्री ने लाहौर में की।
- बहरामजी मालाबारी ने वर्ष 1908 में सेवा सदन की स्थापना बंबई में की।
- भारतीय सेवक समाज (द सर्वट ऑफ इंडिया सोसाइटी) की स्थापना वर्ष 1905 में गोपालकृष्ण गोखले ने की।
- भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन की स्थापना 1887 ई में एम.जी. रानाडे तथा रघुनाथ राज ने की थी। इस आंदोलन ने बाल विवाह को रोकने हेतु प्रतिज्ञा आंदोलन शुरू किया।
- समाज सेवा। संघ (सोशल सर्विज लीग) की स्थापना वर्ष 1911 में एन.एम. जोशी ने की।
- हृदयनाथ कुंजरू ने वर्ष 1914 में इलाहाबाद में सेवा समिति की स्थापना की थी।
- रहनुमाई मज्द्यासन सभा पारसी सुधार आंदोलन से संबधित था, जिसकी स्थापना 1851 ई. में नौरोजी फरदोन जी, दादाभाई नौरोजी तथा एस.एस.बंगाली आदि नेताओं ने बंबई में की थी।
- रहनुमाई मज्द्यासन संस्था ने राफ्त गोफ्तार (सत्यवादी) पत्रिका का प्रकाशन किया।

मुस्लिम सुधार आंदोलन

- सर सैयद अहमद खां ने अलीगढ़ आंदोलन चलाया।
- सर सैयद अहमद खां ने पीरी मुरीदी प्रथा को खत्म करने की वकालत की तथा तहजीफ-उल-अखलाक (सभ्यता और नैतिकता) नामक पत्रिका का प्रकाशन किया।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ मुहम्मद कासिम ननौतवी एवं रशीद अहमद गंगोही ने 1866 ई. में देवबंद में इस्लामी मदरसे की स्थापना की।
- ☞ शिबली नूमानी देवबंद के समर्थक थे।
- ☞ शिबली नूमानी ने नदवतल उलमा तथा दारूल उलूम की स्थापना की।
- ☞ मिर्जा गुलाम अहमद ने 1889 ई. में अहमदिया आंदोलन की स्थापना की।
- ☞ 1864 ई. में सर सैयद अहमद ने 'साइटिफिक सोसायटी' तथा 1877 में 'अलीगढ़ मुस्लिम-एंग्लों ओरिएंटल कालेज' की स्थापना की और यही कालेज 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में परिवतर्तित हो गया।
- ☞ सर सैयद अहमद ने 1870 ई. में तहजीब-उल-अखलाक नामक पत्रिका का प्रकाशन किया।
- ☞ अहमदिया आंदोलन ने जेहाद का विरोध किया था।
- ☞ मिर्जा गुलाम अहमद ने मसीहा तथा महदी होने के बाद धरती पर कृष्णा तथा ईसा मसीह का अवतार होने का दावा किया।
- ☞ वर्ष 1930 में सर्वप्रथम द्विराष्ट्र सिद्धांत की बात मुहम्मद इकबाल ने की थी।
- ☞ इकबाल ने अपनी पुस्तक 'बंग-ए-दर्रा' में पहली बार 'इंकलाब' शब्द का प्रयोग किया।

निम्न जातीय आंदोलन

- ☞ निम्न जातीय आंदोलन की शुरूआत सर्वप्रथम महाराष्ट्र में हुई।
- ☞ 1873 ई. में बंबई में ज्योतिबा फूले ने सत्याशोधक समाज की स्थापना की।
- ☞ ज्योतिबा फूले ने 'गुलाम गीरी' नामक पुस्तक की रचना की थी।
- ☞ वर्ष 1924 में अंबेडकर ने बंबई में 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' की स्थापना की तथा वर्ष 1927 में मराठी में 'बहिष्कृत समाज' नामक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया।
- ☞ वर्ष 1932 मं महात्मा गांधी जी ने अछूतो को 'हरिजन' नाम दिया, साथ ही 'हरिजन सेवक संघ' की स्थापना की।
- ☞ दक्षिण भारत में ई.वी. रामास्वामी नायकर ने वर्ष 1920 में आत्म सम्मान आंदोलन चलाया।

अन्य आंदोलन व सुधार

- ☞ विधवा पुनर्विवाह हेतु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने अथक प्रयत्न किया था।
- ☞ डी.के.कर्वे ने वर्ष 1916 में मुबई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- ☞ नेटिव मैरिज एक्ट द्वारा 1872 ई. में अंतरजातीय विवाह को मान्यता प्रदान की गई।

Ranjeet Yadav Sir

समाजिक सुधार	संबधित गवर्नर जनरल
सती प्रथा	लॉर्ड विलियम बेटिक
ठगी प्रथा	लॉर्ड विलियम बेटिक
दास प्रथा	एलनबरो
शारदा एक्ट	इरविन

Ranjeet Yadav Sir